→ शैक्षिक पर्यवेक्षण ←

शिक्षा निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है और इसका क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। शैक्षिक पर्यवेक्षण क्षेत्र भी शिक्षा की भाँति अत्यन्त विस्तृत एवं व्यापक है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना है और शैक्षिक पर्यवेक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षण के सभी क्षेत्रों में समुचित प्रगति करने हेतु शिक्षकों के कौशलों में वृद्धि एवं विकास करना है। इसके साथ साथ शैक्षिक पर्यवेक्षण के द्वारा शिक्षण संस्थान सम्बन्धी गतिविधियों को प्रभावशाली बनाने वाली सभी योजनाओं का विकास एवं वृद्धि की जा सकती है जिससे वे अपनी सभी क्षमताओं के मानवीय एवं भौतिक साधनों

Page No.:
Date: / /

सम्बन्धित वास्तविकताओं को अधिकाधिक प्रयोग कर सके अतः स्पष्ट है कि शिक्षा पर्यवेक्षण का प्रमुख उद्देश्य अनेक शैक्षिक क्रियाओं का समुचित समन्वय करके अधिक परिणाम प्राप्त करना है, अनेक शैक्षिक क्रियाओं का अपव्यय कम किया जा सकता है। तथा शिक्षा को अधिकाधिक मानव कल्याण हेतु साधन बनाया जा सकता है।

शैक्षिक पर्यवेक्षण का अर्थ →

पर्यवेक्षण शब्द अंग्रेजी भाषा के सुपर विजन का हिन्दी रूपान्तरण है। जो दो शब्दों से मिलकर बना है जिसमें परि- का अर्थ है से 'साधारण' अलौकिक या दिव्य होता है + अवेक्षण का अर्थ है दृष्टि इस प्रकार अर्थ हुआ एक असाधारण दृष्टि

10/8/2025

Page No.:
Date : / /

शैक्षिक पर्यवेक्षण की परिभाषाएँ

विलस किम्बल → "पर्यवेक्षण एक उत्तम शिक्षण अधिगम परिस्थिति के विकास मे सहायता देता है।"

एडम्स तथा डिक्के → "शैक्षिक पर्यवेक्षण शिक्षण को सुधारने का एक सुनियोजित कार्यक्रम है।"

बर्टन के अनुसार – "पर्यवेक्षण का उद्देश्य शिक्षा का विकास करना है।"

फ्रेड सी० अयर → "पर्यवेक्षण समस्त शैक्षिक प्रयासों में सर्वश्रेष्ठ तथा गत्यात्मक है। यह अत्यन्त श्रेष्ठ इसलिए है क्योंकि यह सर्वाधिक सृजनात्मक है।"

12/08/202

Page No.
Date: / /

जॉन एफ. बर्टकी →

"पर्यवेक्षण शिक्षण के विकास बालक की अभिवृद्धि तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार से सम्बन्धित है।"

बार, बर्टन तथा बुकनर →

"पर्यवेक्षण एक कुशल तकनीकि सेवा है जो उन अवस्थाओं का अध्ययन करने तथा उनमें उन्नति करने से सम्बन्धित होती है जो सीखने तथा छात्र विकास के चारों ओर व्याप्त होती है।"

माध्यमिक शिक्षा आयोग →

"हमारी दृष्टि में निरीक्षक की वास्तविक भूमिका प्रत्येक विद्यालय की वास्तविक समस्याओं को अध्ययन करना है

शैक्षिक पर्यवेक्षण की विशेषताएँ

(1)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण के अन्तर्गत नवीन विधियों एवं उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।

(2)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण में सीखने की क्रियाओं का विस्तार किया जाता है।

(3)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण का आधुनिक प्रत्यय प्रजातान्त्रिक होता है।

(4)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण का स्वरूप गत्यात्मक होता है।

(5)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण शिक्षण संस्थानों के कार्यक्रमों को निश्चित करता है।

(6)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण का प्रत्यय परामर्श दाता की भूमिका निभाता है।

13/08/20

(7)- शैक्षिक पर्यवेक्षण का आधुनिक प्रत्यय वैज्ञानिक एवं तकनीकी सेवा है।

(8)- शैक्षिक पर्यवेक्षण का आधुनिक प्रत्यय नेतृत्व पर आधारित होता है।

(9)→ शैक्षिक पर्यवेक्षण का परम्परागत रूप सत्तात्मक होता है।

10- शैक्षिक पर्यवेक्षण का आधुनिक प्रत्यय शिक्षण संस्थानों एवं छात्रों के विकास पर जोर देता है।

11- शैक्षिक पर्यवेक्षण वैज्ञानिक विधि है।

शैक्षिक पर्यवेक्षण का महत्व

1- शैक्षिक पर्यवेक्षण शिक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं वृद्धि करता है।

2- शैक्षिक पर्यवेक्षण की विधियों का महत्व सर्वाधिक है। इनके द्वारा ही शिक्षण इसके द्वारा शिक्षण विधियों, प्रविधियों शिक्षण संस्थान के कार्यक्रमों को सुनिश्चित किया जाता है।

3- शैक्षिक पर्यवेक्षण शिक्षकों की व्यवसायिक उन्नति में सहायता प्रदान करता है।

4- शैक्षिक पर्यवेक्षण के द्वारा शिक्षकों में गुणवत्ता सुधार उनकी शैक्षिक प्रभावशीलता एवं निपुणता का विकास किया जाता है।

5- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सुनियोजित तथा संगठित रूप प्रदान किया जाता है।

14/08/2020

6- शैक्षिक पर्यवेक्षक शैक्षिक योजनाओं मे सहायक होता है। पर्यवेक्षकों के द्वारा ही तैयार की गई रूप रेखा के आधार पर शिक्षा की योजना तैयार की जाती है।

7- शैक्षिक पर्यवेक्षण का महत्व समन्वय स्थापित करने मे सर्वाधिक है। इसके द्वारा शैक्षिक कार्य कर्ताओं शिक्षकों छात्रों आदि सभी के कार्यों मे समन्वय स्थापित किया जाता है।

8- शैक्षिक पर्यवेक्षण का महत्व इस लिए भी है क्योंकि यह नवीन विचारों एवं विधियों का प्रयोग शिक्षा मे करता है।